रजिस्ट्री सं० डी० 222 REGISTERED No D. 222

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 9, 1968/फाल्गुन 19, 1889
No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 9, 1968/PHALGUNA 19, 1889

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गए विधिक नियम और आदेश
Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 19th January 1968

S.R.O. 76.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Ministry of Defence, School of Foreign Languages (Class I Gazetted post) Recruitment Rules, 1966.

1. (1) These rules may be called the Ministry of Defence, School of Foreign Languages (Class I Gazetted post) Recruitment (Amendment) Rules, 1968.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Ministry of Defence, School of Foreign Languages (Class I Gazetted post) Recruitment Rules, 1966 after rule 5, the following rule shall be inserted, namely :—

"6. *Power to relax.*—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax, in consultation with the Union Public Service Commission, any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts".

[File No. 63700/CAO/R&R-II.]

B. J. SENGUPTA,
C.A.O.

रक्षा मन्त्रालय

नई दिल्ली, 19 जनवरी 1968

रक्षा मन्त्रालय, विदेशी भाषा स्कूल (वर्ग 1 राजपत्रित पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1968 का हिन्दी में निम्नलिखित अनुवाद, राष्ट्रपति के प्राधिकार के अधीन, एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है और राजभाषा अधिनियम, 1963 (1963 का 19) की धारा 5 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन हिन्दी में उनका प्रामाणिक पाठ समझा जाएगा।

का० नि० आ० 76:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति रक्षा मन्त्रालय, विदेशी भाषा स्कूल (वर्ग 1 राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1966 को संशोधित करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं।

1. (1) ये नियम रक्षा मन्त्रालय, विदेशी भाषा स्कूल (वर्ग 1 राजपत्रित पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1968 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. रक्षा मन्त्रालय, विदेशी भाषा स्कूल (वर्ग 1 राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1966 में, नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"6. **शिथिल करने की शक्ति** :—जहाँ कि केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह आदेश द्वारा और लेखन द्वारा अभिलिखित किए जाने वाले कारणों के लिए, संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को, व्यक्तियों या पदों के किसी वर्ग या प्रवर्ग की बाबत, शिथिल कर सकेगी।"

[फाइल सं० 63700/मु० प्र० आ०/आर० एण्ड आर०—II]

नई दिल्ली,

रक्षा मन्त्रालय, विदेशी भाषा स्कूल (वर्ग 1 राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1966 का हिन्दी में निम्नलिखित अनुवाद, राष्ट्रपति के प्राधिकार के अधीन, एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है और राजभाषा अधिनियम, 1963 (1963 का 19) की धारा 5 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन हिन्दी में उनका प्रामाणिक पाठ समझा जाएगा।

का० नि० आ० 220:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और तारीख 14 नवम्बर, 1960 के का० नि० आ० 402 को वहाँ तक जहाँ तक कि वह व्याख्याता के पद के लिए भर्ती नियमों से सम्बन्धित है, अतिष्ठित करते हुए, राष्ट्रपति एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं जो रक्षा मन्त्रालय में विदेशी भाषा स्कूल में व्याख्याता (वर्ग 1 राजपत्रित) पद पर भर्ती को विनियमित करते हैं, अर्थात्—

1. **संक्षिप्त नाम** :—ये नियम, रक्षा मन्त्रालय, विदेशी भाषा स्कूल (वर्ग 1 राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1966 कहे जा सकेंगे।

2. **लागू होना** :—ये नियम, एतदुपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।

3. **संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान** :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे संलग्न वेतनमान वह होगा जो उक्त अनुसूची के स्तम्भों 2 से लेकर 4 तक में विनिर्दिष्ट है।

4. **भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य अर्हताएं** :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उससे संसक्त अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भों 5 से लेकर 12 तक विनिर्दिष्ट हैं:

परन्तु उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 में सीधी भर्ती के लिए विनिर्दिष्ट उच्चतम आयु सीमा अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और अन्य विशेष व्यक्ति प्रवर्गों के अभ्यर्थियों की दशा में, केन्द्रीय सरकार के समय समय पर निकाले गए साधारण आदेशों के अनुसार, शिथिल की जा सकेगी ।

निरर्हताएं :—(क) कोई भी व्यक्ति जिसकी एक से अधिक पत्नियां जीवित हैं या जो एक पति या पत्नी के जीवित रहते हुए, किसी ऐसी दशा में विवाह करता है जिसमें ऐसे पति या पत्नी के जीवन काल में किए जाने के कारण वह विवाह शून्य है, उक्त पदों में से किसी पर भी नियुक्ति का पात्र नहीं होगा; तथा

(ख) कोई भी स्त्री, जिसका विवाह इस कारण शून्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी, उक्त पदों में से किसी पर भी नियुक्ति की पात्र नहीं होगी :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट देने के विशेष कारण हैं, तो वह आदेश दे सकेगी कि उसे छूट दी जाए ।

अनु

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवरण पद है अथवा अप्रवरण पद	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु सीमा
1	2	3	4	5	6
व्याख्याता	15	वर्ग 1 राजपत्रित	400–400–450–30–600–35–670 –द० रो०–35–950 रु०	लागू नहीं होता ।	35 वर्ष और उससे कम (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकेगी)।

सूची

सीधी भर्ती वालों के लिए अपेक्षित शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं	क्या सीधी भर्ती वालों के लिए विहित आयु और शैक्षणिक अर्हताएं प्रोन्नतों की दशा में लागू होंगी	परिवीक्षा की कालावधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति, क्या सीधी भर्ती होगी या प्रोन्नति से या प्रतिनियुक्ति/ अन्तरण से होगी तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/ प्रतिनियुक्ति/ अन्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/ प्रतिनियुक्ति/ अन्तरण किया जाना है	वे परिस्थितियां जिनमें भर्ती करने में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है
7	8	9	10	11	12
आवश्यक : (i) मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समतुल्य । (ii) सम्पृक्त भाषा में किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था की डिग्री या डिप्लोमा या समतुल्य । (iii) अंग्रेजी में प्रवीणता । (अन्यथा भली प्रकार अर्हित अभ्यर्थियों की दशा में, अर्हताएं आयोग के विवेकाधिकार पर शिथिल की जा सकेंगी) **वांछनीय :** सम्पृक्त भाषा में अध्यापन का अनुभव ।	लागू नहीं होता ।	2 वर्ष	सीधी भर्ती	लागू नहीं होता ।	जैसा नियमों के अधीन अपेक्षित हो ।

[फाइल सं० 63700/मु०प्र०आ०/आर०/एण्ड आर–II]

वी० फेर्राओ,

सहायक मु० प्र० आ०।

New Delhi, the 22nd February 1968

S.R.O. 77.—The following further amendments made by the Cantonment Board, Lansdowne, in exercise of the powers conferred by clause (4) of section 282 and section 283 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), to the bye-laws regarding the regulation or prohibition of traffic in the streets published with the late Government of United Provinces Notification No. 3773-II/XI-28-C-25, dated 11th November, 1932, as amended by Gazette Notification S.R.O. No. 479, dated 1st December, 1951 are hereby published for general information, the same having been previously published, and having been approved and confirmed by the Central Government as required by sub-section (1) of section 284 of the said Act, namely :—

In the said bye-laws, for bye-laws No. 3 the following bye-law shall be substituted, namely :—

"3. No motor vehicle shall be driven on any road within the Cantonment limits at speeds higher than those prescribed below :—

Type of vehicle	*Speed limit*
Motor Cycles and Jeeps	30 Kilometre per hour
Staff cars	40 Kilometre per hour
Cars and Taxis	40 Kilometre per hour
15 CWT/1 ton	20 Kilometre per hour
3 ton and above	15 Kilometre per hour

[File No. 12/29/C/L&C/67-53/C/D(Q&C).]

S. P. MADAN, Under Secy.

New Delhi, the 23rd February 1968

S.R.O. 78.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clause (cc) of sub-section (2) of section 280 of the Cantonment Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Military Lands and Cantonments Service (Class I and Class II) Rules, 1951, the same having been previously published as required by sub-section (1) of the said section, namely :—

1. These rules may be called the Military Lands and Cantonments Service (Class I and Class II) Third Amendment Rules, 1968.

2. In the Military Lands and Cantonments Service (Class I and Class II) Rules, 1951,—

(1) In rule 5,—

(a) to sub-rule (a), the following proviso shall be added, namely :—

"Provided that—(i) for a period of five years commencing from the 29th January, 1966, 25 per cent of the permanent vacancies to be filled by direct recruitment in any year shall be reserved for being filled in by the Emergency Commissioned Officers and Short Service Regular Commissioned Officers of the Armed Forces of the Union who were commissioned on or after the 1st November, 1962, and, who are released at any time thereafter,

(ii) Where in any year any vacancies reserved for the Emergency Commissioned Officers and the Short Service Commissioned Officers of the Armed Forces of the Union under sub-paragraph (i) remain unfilled for want of suitable Emergency Commissioned Officers and Short Service Commissioned Officers, such vacancies may be treated as unreserved and filled in the normal manner of direct recruitment;

(iii) Where in any year any vacancies reserved for Emergency Commissioned Officers and Short Service Commissioned Officers of the Armed Forces of the Union have been filled in by recruitment of other persons under sub-paragraph (ii), the number of such reserved vacancies shall be carried forward to the next succeeding year, but no such vacancy shall be carried forward for more than four years;

(iv) notwithstanding anything contained in this rule, the total number of vacancies reserved for the Emergency Commissioned Officers and the Short Service Regular Commissioned Officers of the Armed Forces of the Union and the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes shall not exceed, in any year, 45 per cent of the total number of permanent vacancies to be filled by direct recruitment in the year."

(b) to sub-rule (b), the following proviso shall be added, namely :—

"Provided that (i) for a period of five years commencing from the 29th January, 1966, 30 per cent of the permanent vacancies to be filled by direct recruitment in any year shall be reserved for being filled in by the Emergency Commissioned Officers of the Armed Forces of the Union who were commissioned on or after the 1st November, 1962, and who were released at any time thereafter;

(ii) Where in any year any vacancies reserved for the Emergency Commissioned Officers and short Service Commissioned Officers of the Armed Forces of the Union under sub-paragraph (i) remain unfilled for want of suitable Emergency Commissioned Officers and Short Service Commissioned Officers, such vacancies may be treated as unreserved and filled in the normal manner of direct recruitment,

(iii) where in any year any vacancies reserved for Emergency Commissioned Officers and Short Service Commissioned Officers of the Armed Forces of the Union have been filled in by the recruitment of other persons under sub-paragraph (ii) the number of such reserved vacancies shall be carried forward to the next succeeding year, but no such vacancy shall be carried forward for more than four years,

(iv) notwithstanding anything contained in this rule the total number of vacancies reserved for the Emergency Commissioned Officers and the Short Service Regular Commissioned Officers of the Armed Forces of the Union and the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, shall not exceed, in any year 50 per cent of the total number of permanent vacancies to be filled by direct recruitment in that year.

(2) Rule 6 shall be renumbered as sub-rule (1) thereof and after that sub-rule as so renumbered, the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(2) The method of recruitment, age limit and other matters including matters connected with the fixation of seniority and pay of the released Emergency Commissioned Officers and Short Service Regular Commissioned Officers in Class I and Class II Cadres of the Service shall be regulated in accordance with the provisions of rules 4 and 5 of the Demobilised Emergency Commissioned Officers and Short Service Regular Commissioned Officers of the Armed Forces of the Union (Reservation of vacancies in the Central Civil Services and posts Class I and Class II (Non-Technical) Rules 1966 published with the Notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No CSR 1100 dated the 5th July, 1966 or the orders issued by the Central Government from time to time in this behalf."

[No F. 41/51/Adm/L&C/2529/D(Apptts).]

N V SWAMINATHAN, Under Secy.

New Delhi, the 23rd February 1968

S.R.O. 79.—The following draft of certain rules further to amend the Military Lands and Cantonments Service (Class I and Class II) Rules, 1951, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) read with clause (cc) sub-section (2) of section 280 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), is hereby published as required by the said sub-section (1) for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after 2nd April, 1968

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the date aforesaid will be considered by the Central Government.

Draft Rules

1. These rules may be called the Military Lands and Cantonments Service (Class I and Class II) Amendment Rules, 1968.

2. In the Military Lands and Cantonments Service (Class I and Class II) Rules, 1951, for rule 7 the following rule shall be inserted namely :—

"7. (a) A candidate selected for appointment to the service by direct recruitment or by promotion shall, from the date on which he joins be required to be on probation for a period which shall not ordinarily exceed 2 years. During this period, he shall be required to undergo such course of training as may be prescribed by Government.

(b) Candidates selected for appointment to Class I cadre of the service by direct recruitment shall also be required to undergo a course of foundational training at the National Academy of Administration Mussoorie, and pass the test conducted by the Academy at the end of the course. In case any of the probationers does not pass such test, the first increment which he would, but for the provisions of this sub-rule be entitled to draw after the results of the test are announced, shall be postponed by one year or upto the date on which he becomes entitled to the next subsequent increment, whichever is earlier."

[No. F. 41/69/Adm/L&C/2530/D(Apptts).]

K. VENUGOPALAN, Dy. Secy.

PRINTED IN INDIA BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1968